Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper- IV
Date:- 19-8-20

Structuralism

Basic concepts of Structuralism:-

वुण्ट का मनोविज्ञान के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण मनोविज्ञान को क्रमबद्ध एवं एक प्रयोगात्मक विज्ञान (Experimental Science) का दर्जा देना था और इस क्रमबद्धता की झलक उनके प्रसिद्ध पुस्तक 'आउटलाइन ऑफ साइकोलॉजी' (Outline of Psychology) में प्रकाशित हुई। इस पुस्तक में उन्होंने क्रमबद्ध मनोविज्ञान के मौलिक तत्वों का उल्लेख निम्नांकित पांच भागों में बाँटकर किया।

(1) मनोविज्ञान की परिभाषा एवं विषय-वस्तु (Definition of Subject Mater of Psychology)
(2) सम्बन्ध के नियम (Principles of connection)
(3) मनोविज्ञान की विधि (Method of Psychology)
(4) संप्रत्यक्ष या आत्मबोध (APPERCEPTION)
(5) मन-शरीर समस्या (Mind body Problem)

संप्रत्यक्षण या आत्म-बोध (APPERCEPTION):-

वुण्ट द्वारा प्रतिपादित संप्रत्यक्षण के सिद्धान्त का आधार हरबार्ट (Herbart) द्वारा प्रतिपादित संप्रत्यक्षण (Apperception) का प्रत्यय (Concept) है। बोरिंग (Boring, 1950) ने यह स्पष्ट किया है कि वुण्ट के लिए संप्रत्यक्षण के तीन पहलू है:- एक घटना के रूप में संप्रत्यक्षण (Apperception of Phenomenon, (2) संज्ञान के रूप में संप्रत्यक्षण (APPERCEPTION as cognition)

Scanned with CamScanner

तथा क्रिया के रूप में संप्रत्यक्षण (apperception as activity)। एक घटना के रूप में संप्रत्यक्षण से तात्पर्य चेतन के केन्द्र (Focus) से होता है। दूसरे शब्दों में, चेतन में किसी विशेष तत्व पर संकेन्द्रित (focus) करना ही संप्रत्यक्षण कहलाता है। आजकल इसे 'ध्यान (attention) कहा गया है। इसका मतलब यह हुआ कि संप्रत्यक्षण के द्वारा चेतन में कुछ तत्वों या उद्दीपकों को संकेन्द्रित (Focus) करना ही संप्रत्यक्षण कहलाता है। आजकल इसे ध्यान (Attention) कहा गया है। इसका मतलब यह हुआ कि संप्रत्यक्षण के द्वारा चेतन में कुछ तत्वों या उद्दीपकों को संकेन्द्रित (Focused) किया जाता है तथा उसे प्रबल बनाया जाता है। इस अर्थ में संप्रत्यक्षणात्मक प्रक्रिया प्रतिक्रिया (apperceptive reaction) का सामान्य प्रारूप इस प्रकार होता है।

उत्तेजना
(Stimulation)
↓
प्रत्यक्षण
(Perception)
↓
संप्रत्यक्षण
(Apperception)
↓
इच्छा
(Will)

संज्ञान (cognition) के रूप में संप्रत्यक्षण चेतन या मानसिक प्रक्रिया का एक संगठनात्मक कारक (organizing factor) होता है। इस अर्थ में चेतन की संपूर्णता में तत्वों का संश्लेषण (synthesis) ही संप्रत्यक्षण (apperception) कहलाता है। संप्रत्यक्षण का स्वरूप विश्लेषणात्मक (analytical) भी होता है। निर्णय (judgement) एक तरह का विश्लेषणात्मक

Scanned with CamScanner

संप्रत्यक्षण (analytical perception) है। क्योंकि इसके द्वारा चेतन के अंतर्वस्तु (content) को आसानी से अलग कर लिया जाता है। एक क्रिया के रूप में संप्रत्यक्षण हमेशा एक सक्रिय प्रक्रिया होती है तथा संप्रत्यक्षण के बाद हमेशा कोई न कोई क्रिया अवश्य होती है। अतः चेतन रूपी सरिता में संप्रत्यक्षण एक तरह का सक्रिय प्रवाह है (active current) है।

Scanned with CamScanner